(शिकायत निवारण समिति)

आज दिनांक 1-12-2019 को शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समस्याओं के निवारण निराकरण, तथा उनके सुझाव को महाविद्यालय में जारी करने बावत् यू.जी.सी. का मापदण्ड का पालन करते हुए समस्या निवारण समिति का गठन किया जाता है जिसके पदाधिकारी निम्नानुसार हैं :-

अध्यक्ष :- डॉ किरण नुरूटी (प्रभारी प्राचार्य)

उपाध्यक्ष :- श्री पुरोहित शोरी (सहा० प्राध्यापक इतिहास)

सचिव :- श्री शशिभूषण कन्नौजे (सहा० प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र)

सहसचिव :- श्री शोभाराम यादव (सहा० प्राध्यापक प्राणी शास्त्र)

सदस्य :-
(I) श्री माया [illegible] (सहा० प्राध्यापक अंग्रेजी)
(II) डॉ देवाशीष हलदार (सहा० प्राध्यापक अर्थशास्त्र)
(III) श्री बी. एल. मरकाम (छात्रावास अधीक्षक)

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon, Distt. Kondagaon (C.G.)

बैठक कार्यवाही दिनांक 16/12/201

आज दिनांक 16/12/19 को महाविद्यालय स्तर पर गठित समस्या निवारण समिति के अध्यक्ष सदस्य गण पदाधिकारी एवं विद्यार्थियों के उपस्थिति में बैठक लिया गया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों से प्राप्त समस्याओं पर चर्चा किया गया। उनके द्वार प्राप्त समस्याएं बिंदुवार निम्नलिखित है

(i) महाविद्यालय में अध्ययन हेतु समुचित कक्ष की व्यवस्था नहीं है के संबंध में शिकायत प्राप्त हुआ।

(ii) महाविद्यालय के ऊपरीतल में संचालित कक्षाओं में पानी टपकने की समस्या होने पर विद्यार्थियों व पढ़ाई में बाधा उत्पन्न होने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुआ।

(iii) महाविद्यालय [illegible] कक्षाओं में साफ-सफाई नहीं होने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुआ।

(iv) महाविद्यालय में कचरा रखने हेतु डस्टबीन उपलब्ध नहीं है के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई।

उपरोक्त बैठक में विद्यार्थियों से प्राप्त शिकायतों के संबंध में समाधान करने का निर्णय लिया गया एवं उन पर कार्यप्रगति में है।

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

हस्ताक्षर

1 - डॉ किरण नुरुटी

2 - श्री पुरोहित सोरी

बैठक दिनांक 21/10/2021

आज दिनांक 21/10/2021 को महाविद्यालय के समस्या निवारण समिति के अध्यक्ष पदाधिकारि एवं सदस्यों की उपस्थिति में बैठक किया गया। जिसमे दिनांक 16/12/2019 के बैठक में प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं का निवारण किया गया है जो बिंदुवार निम्नलिखित है।

(i) विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु बैठने के लिए क्लासरूम की कमी थी जिसको ध्यान में रखते हुए रूसा मद से आठ अतिरिक्त कमरे का निर्माण किया गया। जिसके द्वारा बैठक व्यवस्था की समस्या का निवारण किया गया।

(ii) महाविद्यालय के ऊपरीतल के क्लासरूम में पानी टपकने की समस्या थी जिसका निराकरण छत में शेड निर्माण कर किया गया।

(iii) महाविद्यालय में शौचालय जीर्णशीर्ण अवस्था में होने का शिकायत प्राप्त हुआ था जिसका निराकरण [illegible] कार्य के अंतर्गत नवीनीकरण कर किया गया।

(iv) महाविद्यालय [illegible] कचरा एवं साफ-सफाई नही होने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी जिसका निराकरण नगर पालिका परिषद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

हस्ताक्षर

1. डॉ. किरण नुरूटी
2. श्री पुरोहित शोरी
3. श्री [illegible]

शिकायत निवारण समिति

(पुनर्गठन)

आज दिनांक 02/11/2021 को शासकीय गुण्डाधुर महाविद्यालय कोण्डागांव में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समस्याओं के निराकरण तथा उक्त सुझाव को महाविद्यालय में जारी करने बाबत U.G.C. का मापदंड का पालन करते हुए समस्या निवारण समिति का गठन किया जाता है जिसके पदाधिकारी निम्नानुसार है —

अध्यक्ष : श्री शोभाराम यादव (सहा.प्रा. प्राणीशास्त्र)

उपाध्यक्ष : श्री शशिभूषण कन्नौजे (सहा.प्रा. बॉटनी)

सचिव : श्रीमती रूपा सोरी (सहा.प्रा. अंग्रेजी)

सहसचिव : श्रीमती चित्ररेखा पटेल (सहा.प्रा. रसायन)

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.)

शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

11

बैठक 20/01/2020

आज दिनाँक 20/01/2020 को महाविद्यालय के प्राध्यापक कक्ष में आंतरिक शिकायत समिति की बैठक आहुत की गई। जिसमे सुश्री जरीना बानो, PLV (Para Legal volunteer), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोण्डागाँव द्वारा छात्राओ के लिए एक दिवसीय कार्यशाला मे निम्न विषयो मे जानकारी दी गई — महिलाओ के कानूनी अधिकार लैंगिक शोषण क्षतिपूर्ति योजना। जिसमें विभिन्न संकायो की छात्राओ ने अधिक से अधिक भाग लेकर अपने अधिकारों के बारे में जाना।

इस बैठक में संस्था मे कार्यरत महिलाओ / छात्राओ द्वारा कोई भी आंतरिक शिकायत, समिति के समक्ष नहीं किया गया।

अध्यक्ष — डॉ. किरण नुरूटी (प्राचार्य)
उपाध्यक्ष — श्रीमती रूपा सोरी (सहा. प्राध्यापक)
सचिव — श्रीमती चित्राकिरण पटेल (सहा. प्राध्यापक)
सदस्य — कु. अंजना परार्ते (प्रयोगशाला तकनिशियन)
सदस्य — श्रीमती ज्योति ओसवाल (प्रयोगशाला तकनिशियन)
सदस्य — कु. सायरा कुरैशी (प्रयोगशाला परिचारक)

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

छात्राँए —

मुस्कान ठाकुर	मुस्कान ठाकुर
पल्लवी वैध	Pallavi
भूमिका राठौर	Rathore
भावना सेठिया	Bhawna
अंजली मरकाम	Anjali
सुरेखा	smarkam

॰ महिला उत्पीड़न आंतरिक ॰ रोकथाम समिति

आज दिनांक 13.08.2021 को महाविद्यालय में महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के तहत महिला उत्पीड़न आंतरिक रोकथाम समिति का गठन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण नुरुटी (पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष), सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती जानकी वैष्णव, N.G.O. की सदस्य श्रीमती प्रभा कुम्भकार, अधिवक्ता प्रीति बिश्वास एवं समस्त प्राध्यापकगण एवं महिला कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिसमें महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती रूपा सोरी (सहा. प्रा. अंग्रेजी) द्वारा किया गया। श्रीमती सिहनु लाम्बा, कु. ज्योति देवांगन और कु. अनिता उसेण्डी का सहयोग रहा।

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon Distt.-Kondagaon (C.G.)

प्राचार्य
शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

श्रीमति रूपा सोरी (सहा. प्राध्यापक) —
श्रीमति सिहनु लाम्बा (अतिथि प्राध्यापक) —
कु. ज्योति देवांगन (अतिथि प्राध्यापक) —
कु. महक बक्शी (अतिथि प्राध्यापक) —
श्रीमति ज्योति ओस्तवाल (प्रयोगशाला तकनीशियन) —
कु. अंजना पराते (प्रयोगशाला तकनीशियन) —
कु. सायरा बानो (प्रयोगशाला परिचारक) —
कु. अनिता उसेण्डी (सहायक ग्रेड - 03) —

बैठक

दिनांक 15/09/2021

आज दिनांक 15/09/2021 को महाविद्यालय में महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के तहत महिला उत्पीड़न आंतरिक रोकथाम की बैठक आयोजित की गई, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण नुरूटी पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष), सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ननकी वैष्णव, N.G.O. की सदस्य श्रीमती प्रभा कुम्भकार, प्रीति विश्वास एवं समस्त प्राध्यापकगण एवं महिला कर्मचारी उपस्थित थे, जिसमें छात्राओं के द्वारा कोई उत्पीड़न संबंधित शिकायतें दर्ज नहीं की गई।

इस बैठक में समिति के समस्त सदस्यों के द्वारा महिलाओं के विभिन्न अधिकारों एवं नियमों के बारे में विभिन्न जानकारी साझा की गई।

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon (C.G.) * Distt.-Kondagaon

प्राचार्य
शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

DEPARTMENT- SOCIOLOGY

M.A. II Sem

2.	Bryman, Allan 1988	Quality and Quantity in Social Research Unwin, Hyman, London.
3.	Ethance, D.M.	Fundamental of Statistics
4.	Irvine, J. M et al (ed) , 1979	Demystifying social statistic, Pluto Press, London.
5.	Lutz, G, M 1983	Understanding Social Statistics, Macmillan Publishing co., Inc., New York.
6.	Mukharjee, R, 1979	What will it be? Explorations in inductive sociology, Allied Publishers, Bombay.
7.	Mukherjee, P.N, 2000	Methodology in Social Research Dilemamas and Perspectives, Essays in honour of Ramakrishna Mukharjee, Sage Publication, New Delhi.
8.	Wilkinson, T.S. and Bhandarkar, P.L.	Methodology and Techniques of Social Research: Himalaya Publication House, Bombay,
9.	Young, P.V. 1977	Scientific Social Surveys and Research. Prentice Hall of India, New Delhi.

Paper No. -VIII

Marks-80

SOCIOLOGY OF DEVELOPMENT

Unit-I: Perspectives on Development

a. Modernization
b. Marxist
c. Dependency
d. Alternative

Unit-II: Changing Conception of Human Development

a. Mainstream vs. Indigenous Model of Development
b. Human Indicator Index
c. Sustainable Development: Socio- Cultural
d. Impact of Bio-Technology and Information Technology on Development

Unit-III: Indian Experience on Development

a. Sociological Appraisal of Five Year Plans
b. Social Consequences of Economic Reforms
c. Socio Cultural Impact of Globalization
d. Social Implication of InfoTech and Bio-Tech Revolution

Unit-IV: Consequences of Development

a. Development and Displacement
b. Development and Socio- Economic Disparities
c. Ecological Degradation
d. Development and Migration.

Unit-V: Issues and development in Contemporary India.

a. Social Exclution
b. Gender Discrimination

c. Privatization and unfavorable Service condition.
d. Sustainability.

References:

1.	Alavi. H and Shanin, T., 1982	Introduction to the study of Developing societies Macmillan, London
2.	Amin, Samir-1979	Unequal Development, New Delhi
3.	Apter, D.C. 1987	Rethinking development Sage, New Delhi
4.	Appadurai, A. 1997	Modernity at Large: Cultural Dimensions of Globalisation, Oxford, New Delhi
5.	Berberglu, B. (ed) 1992	Class, State and Development in India, Sage, New Delhi
6.	Bhatnagar, S., 2000	Information and Communication: Technology in Development, Sage, New Delhi.
7.	Carmen, R 1996	Autonomous Development Vistaar, New Delhi
8.	Desai, A.R 1985	India's path of development: A Marxist Approach, Bombay, popular Prakashan.
9.	Dreze, J and Sen, A. 1996	India: Economic Development and social Opportunity Oxford, New Delhi
10.	Encyclopaedia of Social Sciences (Relevant Portions), Macmillan	
11.	Frank, A 2002	Reorient Vistaar, New Delhi
12.	Haq, M.V. 1991	Reflections on Human Development Oxford, New Delhi
13.	Melkote, S.R. 1991	Communications for Development in Third WorldSage, New Delhi
[illegible]	Naidu, R. 1971	Values in Models of Modernisation Vikas, New Delhi
16.	Pieterse, N.J. 2001	Development Theory: Deconstruction/ Reconstruction , Sage, New Delhi
17.	Preston,P.W,1996	Development Theory- An Introduction Oxford Blackwell.
18.	Rege, S. (ed) 2003	Sociology of Gender Sage, New Delhi
19.	Sachs, I 2000	Understanding Development Oxford, New Delhi
20.	Saha, G et al (ed) 2002	Development and Deprivation in Gujarat Sage, New Delhi
21.	Schuurman, F.J. 2003	Globalisation and Development Vistaar, New Delhi
22.	Singharoy, D (ed) 2001	Social Development and Empowerment of Marginalised Groups Sage, New Delhi.

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.)

Department - Sociology

M.A- IV Sem-

SYLLABUS FOR 2014-15

RSE OF STUDIES FOR M.A. EXAMINATION IN SOCIOLOGY (UNDER SEMESTER STEM IN UNIVERSITY TEACHING DEPARTMENT AND AFFILETED COLLEGES

M.A. Examination in Sociology shall be conducted in four semesters, each having 500 hundred marks, totaling to 2000 marks.

The detailed Course Structure Semester wise is mentioned below.

Sl No	Paper No	Title	Marks	

7. Miller, D.c. and Farm W.M., 1964 — The Sociology of Industry George Allen and Onwin, London .
8. Philip H and Mellissa T, 2001 — Work Post Modernism and organization Sage, New Delhi
9. Ramaswamy E.A. 1977 — The worker and His union, Allied New Delhi
10. ______________, 1978 — Industrial Relations in India OUP, new Delhi
11. Thiwait, P.K. 1987 — Social Structure of a Planned Town, Institute of Social Research and Applied Anthropology, Calcutta.
12. Watson K. Tony 1995 — Sociology, work and industry Routlodge and Kagan Paul, London.

Paper No.-XIX Marks-80

CRIMINOLOGY-II

Unit-I: Roots of Correction to prevent Crime
- a. Socialization
- b. Family values
- c. Role of education

Unit-II: Correction and It's Forms
- a. Meaning and Significance of Correction; Prison Based and Community Based
- b. Correctional Programmes in Prison; History of Prison Reforms in India
- c. After Care and Rehabilitation Programme.

Unit-III: Problem of Correctional Administration
- a. Overcrowding; Lack of Inter Agency Co-Ordination among Police Prosecution, Judiciary and Prison
- b. Prison Offences
- c. Problem of Criminal Justice Administration

Unit-IV: Victimological Perspective
- a. Victrim's Responsibility in Crime
- b. Violation of Prisoner's Human Rights
- c. Problems of Women Offenders.

Unit-V: Community Policing
- a. Concept andObjectives
- b. Types
- c. Significance

References:

5. Devasia, L and Devasia, V.V. (ed), 1989 — Female criminals and Female Victims: An Indian Perspective Dattsons, Nagpur
6. Gosmami. B.K., 1983 — Criminology and Penology Allahabad
7. Mohanty, S, 1990 — Crime and Criminals in India Ashish Pub. House New Delhi.
8. Reid, S. , 1976 — Crime and Criminology Deydan press, Illinayse
9. Shankardas, R.D. 2000 — Punishment and the Prison: India and International perspective, Sage, New Delhi.
10. Sutherland, E.H. and Donald, R.C., 1968 — Principles of Criminology The Times of India Press, Bombay.
11. William, H.E., 1990 — The correction Profession Sage, New Delhi.

Paper No.-XX Marks-100

PROJECT REPORT

On Rural and Urban Problems

Scheme of Evaluation- 50% by Internal Examiner and rest 50% by Viva-Voce Examination evaluated both by the Internal and External Examiner.

Govt Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

B.A./B.Sc./B.Com./B.H.Sc. Part III
Foundation Course
English Language

M.M. 75

The question paper for B.A./B.Sc./B.Com./B.H.Sc. III Foundation course. English Language and General Answers shall comprise the following items : Five question to be attempted. each carrying 3 marks.

UNIT-I	Essay type answer in about 200 words. 5 essay type question to be asked three to be attempted.		**15**
UNIT-II	Essay writing		**10**
UNIT-III	Precise writing		**10**
UNIT-IV	(a)	Reading comprehension of an unseen passage	**05**
	b)	Vocabulary based on text	**10**
UNIT-V	Grammar Advanced Exercises		**25**

Note: Question on unit I and IV (b) shall be asked from the prescribed text. Which will comprise of popular create writing and the following items. Minimum needs housing and transport Geoeconomic profile of M.P. communication Educate and culture. Women and Worm in Empowerment Development management of change. physical quality of life. War and human survival. the question of human social value survival. the question of human social value. new Economic Philosophy Recent Diberaliation Method) Demoration decentralization (with reference to 73. 74 constitutional Amendment.

Books Prescribed:

Aspects of English Language and Development-Published by M.P. Hindi Granth Academy. Bhopal.

Govt Gundadhur P.G. College Kondagaon
Distt.-Kondagaon (C.G.)

VIII

WOMEN AND DEVELOPMENT

(Leela Dube)

After the Second World War there were dramatic changes in the political and social order of humankind. The decade of the 50s was dominated by the theme of liberty. One by one several former colonies and dependencies emerged as independent states. The decade of the 60s was dominated by the quest for development. The less developed countries of the world formulated plans to catch up with the advanced industrialised countries of the West. In the decade of the 70s, alongside developments, demand for equality began to articulate itself in several areas. One of its major manifestations was a new gender assertion by women who constituted one-half of the world. Feminism emerged as a powerful movement which could not be wished away or ridiculed. The basic demand of the feminist was simple: equality. The movement sought to eradicate the scaly prejudices that had immobilized women in several spheres of activity.

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon
Distt. Kondagaon (C.G.)

While Indian social reform movements of the 19th and the early 20th century touched only a fringe of female population belonging to the middle and upper strata of society, participation of women on a massive scale in the freedom struggle led by Mahatma Gandhi brought them out of their seclusion. It helped in loosening and, to some extent, removing many social constraints and paved the way towards granting them political equality in the Constitution and in other formal

structures and frameworks of independent India.

Contrary to expectations, however, during the first two decades of independence there was a slow erosion of concern for issues and problems relating to women. During the 70s the gender question -- sexual inequality and exploitation -- was raised dramatically and became a major issue of contemporary debates. Women's status and problems came to occupy an important place in research and action programmes. This undoubtedly was part of the global trend. In India as elsewhere there is a vocal minority which professes to speak for the silent majority of women.

It is hardly necessary to emphasize that one cannot set any goals that would be equally meaningful to all women; for where classes and class interests operate in a society, it would be hazardous to claim that women are women first and last and that class (or even cultural and ethnic distinctions) are irrelevant so far as women's cause is concerned. At the same time it would be wrong also to say that there is nothing special about women that should warrant separate treatment and that women could be subsumed in the general framework that is used for understanding inequality in the society and for explaining skewed benefits of development. A healthier and more fruitful approach would be to consider both sex and class (as also social structure and culture) as relevant for understanding social inequality.

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon
Distt.-Kondagaon (C.G.)

In this regard we shall focus our attention on three main themes. First, on the necessity of an adequate data base covering the status and role of women to ensure more relevant and meaningful development planning for them. Second, on how development negatively affects women. Third, on the relevance of social structure and of cultural factors in so far as they concern women in the general development of society.

depend on an adequate database and efficient information system. Women have suffered in this respect because of a number of factors. Census methodology has failed to record much of women's work that goes into the household economy. Under-reporting of women's work in the Census and other surveys causes difficulty in making cross-cultural, inter-regional, strata-wise, and urban-rural comparison within the country. Another difficulty has been regarding the category of 'head of the household' in the Census. Even when a woman is responsible for running the household and taking decisions it may not allow her being recorded as head of the household.

Many of the programmes in rural areas have been directed exclusively towards men. This non-recognition of women's crucial role in the economy has resulted in failures of the programme and at the same time has also contributed to the perpetuation of sexual inequality or even to deterioration of women's position.

Adverse or negative effects of development on women's situation may be seen in many areas. For example, improvement in factory laws for better conditions of work has often resulted in retrenchment of women workers. Rules regarding maternity leave, night shifts, and creches, which essentially relate to the reproductive and child-rearing functions of women, make the employment of female workers a more expensive proposition for the employers. Decline of female employment in textile mills in India is a case in point.

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

In the capital-intensive sectors women are assigned low paid unskilled jobs and are maintained as reserved work force. They are also relegated to jobs in the backward sectors of the economy. Women and children are found in large numbers in domestic service, cottage industries, and in the informal sector in general. Development of capitalist production thus brings greater suffering to women.

The need for taking into consideration the cultural and social

structural variations for development planning for women cannot be over-emphasized. Rules of inheritance, family structure, marital residence, seclusion and segregation are all relevant for understanding the situation of women. And development strategies must not take those aspects as given or immutable. True development will not be possible unless these aspects are also made targets of change to some extent. There is no gainsaying the fact that some of the assumptions made by the planners about men's and women's responsibilities in the production process and in supporting the families spring from these social, structural and cultural factors. Filling in the gaps between the lawyer's law and the reality is essential for real development.

By and large, women's problems do not have a compelling character because women are essentially a category and not a group which can be easily mobilized, few feminists may wage a war against males, but such an attitude does not take us far. In the Indian context it would be unrealistic to say that men as actors in the social system are wholly responsible for the social evils that affect women. In point of fact women are as much responsible for creating obstacles to change. Enlargement of women's consciousness and investment of social purpose in their lives appear to be prerequisites to development. In the meantime all forms of inequalities and exploitation will have to be exposed and the women's point of view injected into critical areas of planning and development.

Govt Gundadhur P.G. College Kondagaon Distt.-Kondagaon (C.G.)

(Adapted from "Women and Development"
from Developmental Problems of Third World, 1988)

Notes and Exercises

For a proper development of society it is necessary that women are made a part of the development. The decade of the seventies ushered in an era of equality for women. Feminism emerged as an important movement during this decade. Now women's status and

बस्तर विश्वविद्यालय

जगदलपुर (धरमपुरा), जिला-बस्तर (छत्तीसगढ)

www.bvvjdp.ac.in

पाठ्यक्रम

बी.ए.-1 (कोड-011) B. A.-1 (Code-011)

बी.ए. क्लासिक्स-1 (कोड-061) B.A. CLASSICS-1 (Code-061)

PART - I

SULLABUS FOR ENVIRONMENTAL STUDIES" FOR UNDER GRADUATE

1. ''इन्वाहरमेन्टल साईसेस'' के पाठ्यक्रम को स्नातक स्तर भाग-एक की कक्षाओं में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार अनिवार्य रूप से शिक्षा सत्र 2003-2004 (परीक्षा 2004) से प्रभावशील किया गया है। स्वशासी महाविद्यालयों द्वारा भी अनिवार्य रूप से अंगीकृत किया जाएगा।
भाग 1, 2 एवं 3 में से किसी भी वर्ष में पर्यावरण प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। तभी उपाधि प्रदाय योग्य होगी।
2. पाठ्यक्रम 100 अंको का होगा, जिसमें से 75 अंकर सैद्धांतिक प्रश्नों पर होंगे एवं 25 अंक क्षेत्रीय कार्य (Field Work) पर होंगे।
3. सैद्धांतिक प्रश्नों पर अंक - 75 (सभी प्रश्न इकाई आधार पर रहेंगे जिसमें आंतरिक विकल्प रहेगा)
   (अ) लघु प्रश्नोत्तीर - 25 अंक
   (ब) निबंधात्मक - 50 अंक
4. Field Work - 25अंकों का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन पद्धति से कर विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जावेगा। अभिलेखों की प्रयोगिक उत्तर पुस्तिकाओं के समाने संबंधित महाविद्यालयों द्वारा सुरक्षित रखेंगे।
5. उपरोक्त पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा का आयोजन वार्षिक परीक्षा के साथ किया जाएगा।
6. पर्यावरण विज्ञान विषय अनिवार्य विषय है, जिसमें अनुत्तीर्ण होने पर स्नातक स्तर भाग-एक के छात्र/छात्राओं को एक अन्य विषय के साथ पूरक की पात्रता होगी। पर्यावरण विज्ञान के सैद्धांतिक एवं फील्ड वर्क में संयुक्त रूप से 33% (तैंतीस प्रतिशत) अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य होंगे।
7. स्नातक स्तर भाग-एक के समस्त नियमित/भूतपूर्व/अमहाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं को अपना फील्ड वर्क सैंद्धातिक परीक्षा की समाप्ति के पश्चात 10 (दस) दिनों के भीतर संबंधित महाविद्यालय/परीक्षा केन्द्र में जमा करेंगे एवं महाविद्यालय के प्राचार्य/केन्द्र अधीक्षकों/परीक्षकों की नियुक्ति के लिए अधिकृत रहेंगे तथा फील्ड वर्क जमा होने के सात दिनों के भीतर प्राप्त अंक विश्वविद्यालय को भेजेंगे।

PART - I

SULLABUS FOR ENVIRONMENTAL STUDIES" FOR UNDER GRADUATE

(paper code - 0828)

M.M. 75

UNIT-I THE MULTI DISCIPLINARY NATURE OF ENVIRONMENTAL STUDIES :

Definition, scope and importance

Need for public awarness.

Natural Resources :

Renewable and nonrenewable resources :

Natural resources and associated problems.

(a) Forest resources : Use and over-exploitation, deforestation, case studies, Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.

(b) Water resources : Use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams benefits and problems.

(c) Mineral resources : Use and explotation, environmental effects of extracting and

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

using mineral resources, case studies.

(d) Food resources : World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.

(e) Energy resources : Growing energy needs, renewable and non renewable energy sources, use of alternate energy sources. Case studies.

(f) Land resources : Land as a resources, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification.

- Role of an individual in conservation of natural resources.
- Equitable use of resources for sustainable life-styles.

(9 Lecture)

UNIT-II ECOSYSTEMS

Concept of an ecosystems.

Structure and function of an ecosystem.

- Producers, consumers and decomposers.
- Energy flow in the ecosystem.
- Ecological succession.
- Food chains, food webs and ecological pyramids.
- Introduction, types, characteristic features, structure and function of the following ecosystem :
  a. Forest ecosystem
  b. Grassland ecosystem
  c. Desert ecosystem
  d. Aquatic ecosystems (Ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

(9 Lecture)

UNIT-III Biodiversity and its Conservation

- Introduction - Definition : genetic, species and ecosystem diversity.
- Biogeographical classification of India.
- Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values.
- Biodiversity at global, National and local levels.
- India as mega-diversity nation.
- Hot-spots of biodiversity
- Threats to biodiversity : habitat loss, poaching of wildlife, manwildife conflicts.
- Endangered and endemi species of India.
- Conservation of biodiversity : In situ and Ex-situ conservation of biodiversity

(9 Lecture)

UNIT-IV Environmental Pollution

Definition

- Causes, effects and control measures of -
  a. Air pollution

Govt Gundadhur P.G. College Kondagaon
Distt.-Kondagaon (C.G.)

b. Water pollution

c. Soil pollution

d. Marine pollution

e. Noise polluation

g. Naclear hazards.

- Solid waste management : Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.
- Role of an individual in prevention of pollution.
- Pollution case studies
- Disaster management : floods, earthquake, cyclone and landslides.

Human Population and the Environment

- Population growth, variation among nations,
- Population explosion - Family Welfare Programme.
- Environment and human health.
- Human Rights. **(9 Lecture)**

UNIT-V Social Issues and the Environment

- From Umsustainable to Sustainable development.
- Urban problems related to energy.
- Water conservation, rain water harvesting, watershed management.
- Resettlement and rehabilitation of people, its problems and concerns. Case studies.
- Environmental ethies : Issues and possible solutions.
- Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust. Case studies.
- Wasteland reclamation.
- Consumerism and waste products.
- Environment Protection Act
- Air (Prevention and Control of Pollution) Act.
- Water (Pervention and Control of Pollution) Act.
- Wildlife Protection Act.
- Forest Conservation Act.
- Issues involved in enforcement of environmental legislation.
- Public awareness.
- Value Education
- HIV/AIDS
- Women and Child Welfare.
- Role of Information Technology in Environment and Human Health.
- Case Studies. **(9 Lecture)**

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon * Distt.-Kondagaon (C.G.) *

FIELD WORK

- Visit to a local area to document environmental assets-river/forest/grassland/hill/mountain.
- Visit to local polluted site : Urban/Rural/Industrial/Agriculture.

- Study of common plants, insects, birds.
- Study of simple ecosystems-pond, river, hill slopes, etc. (Field work Equal to 5 lecture hours)

REFERENCES :

1. Agarwal K.C. 2001 Environmental Biology, Nidi Publ. Ltd. Bikaner.
2. Bharucha Erach, the Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd. Ahmedabad 380 013, India, Email : mapin@icenet.net(R)
3. Bruinner R.C., 1989, Hazardous Waste Incineration, Mc Graw Hill Inc. 480p.
4. Clark R.S., Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB).
5. Cuningham, W.P. Cooper, T.H. Gorhani, E & Hepworth, M.T. 200,
6. Dr A.K. Environmental Chemisry, Wiley Estern Ltd.
7. Down to Earth, Centre for Science and Environment (R)
8. Gloick, H.P. 1993 Water in crisis, Pacific Institute for studies in Deve, Environment & Security. Stockholm Eng. Institute. Oxford Univ, Press. 473p.
9. Hawkins R.E. Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay Natural History Society, Mumbai (R).
10. Heywood, V.H. & Watson, R.T. 1995 Global Biodiversity Assessment, Cabridge Univ. Press 1140p.
11. Jadhav H. & Bhosale, V.H. 1995, Environmental Protection and Laws. Himalaya Pub. House. Delhi 284p.
12. Mckinney M.L. & School R.M. 1996, Environmental Science systems & Solutions, Web enhanced editio, 639p.
13. Mhaskar A.K., Matter Hazardous, Techno-Science Publication (TB).
14. Miller T.G. Jr., Environmental Science, Wadsworth Publishing Co. (TB).
15. Odum, E.P. 1971, Fundamentals of Ecology, W.B. Saunders Co. USA, 574p.
16. Rao M.N. & Datta, A.K. 1987, Waste Water treatment. Oxford & IBH Publ. Co. Pvt. Ltd. 345p.
17. Sharma B.K., 2001, Environmental Chemistry, Goel Publ. House, Meerut.
18. Survey of the Environment, The Hidu (M).
19. Townsend C., Harper J., and Michael Begon, Essentials of Ecology, Blackwell Science (TB).
20. Trivedi R.K. Handbook of Environmental Laws, Rules, Guidelines, Compliances and Standards, Vol. I and II, Environment Media (R).
21. Trivedi R.K., and P.K. Goel, Introduction to air pollution, Techno-Science Publications (TB).
22. Wagner K.D., 1998, Environmental Management. W.B. Saunders Co. Philadelphia, USA 499p.

(M) Magazine

(R) Reference

(TB) Textbook.

Govt. Gundadhur P.G. College Kondagaon (C.G.) * Distt.-Kondagaon *

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर ग्राम केरावाही

सत्र – 2017–18 दिनांक 13/11/2017 से 19/11/2017

कार्यक्रम अधिकारी श्री शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में दिनांक 13/11/2017 से 19/11/2017 तक आयोजित केम्प में स्वयं सेवकों के द्वारा रात्रिकालिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक नृत्य एवं नुक्कड नाट्क का मंचन करते हुए ।

शाासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर ग्राम केरावाही

सत्र – 2017–18 दिनांक 13/11/2017 से 19/11/2017

कार्यक्रम अधिकारी श्री शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में दिनांक 13/11/2017 से 19/11/2017 तक आयोजित केम्प में स्वयं सेवकों के द्वारा परियोजना कार्य के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों की सफाई, धान कटाई में किसानों कि मदद स्कूल भवन के शौचालय का जिर्णोद्धार एवं पेन्टींग कार्य करते हुये ।

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

सत्र 2018–19

14 नवम्बर बाल दिवस समारोह के उपलक्ष्य में जवाहर लाल नेहरू से सम्बधित प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न खेल कूद गतिविधियां तथ ईनाम वितरण का कार्यक्रम।

BLOOD DONETION CAMP RED REBBON2016-17

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र –2017–18 दिनांक 23/11/2020

जिला कलेक्टर कोडांगांव श्री निलकंठ टेकाम कम पहल पर श्री शशिभूषण कन्नौजे कार्यक्रम अधिकारी रासेयो एस आर यादव तथा अमित तिवारी के मार्गदर्शन में शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव के स्वयम सेवको के सहयोग द्वारा नारंगी नदी मे बोरी बंधान चेक डेम का निर्माण किया गया।

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव

जागरूकता रैली

सत्र – 2019–20

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव

स्वच्छता अभियान

सत्र – 2019–20

दिनांक 12/01/2020

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

सत्र 2018–19

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान

छत एवं परिसर की साफ सफाई

International Women's Day 2021
8th March 2021

International Women's Day 2021
8th March 2021

BLOOD DONETION CAMP RED REBBON2016-17

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना

कोविड–19 जागरूकता अभियान

सत्र –2020–21 दिनांक 04 / 08 / 2020

जिला सगंठक कोंडागांव श्रो शशिभूषण कन्नौजे के मार्गद”र्न में शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव में कोविड–19 जागरूकता अभियान चलाया गया और जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन कर ई–सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव राष्ट्रीय सेवा योजना

कोविड–19 जागरूकता अभियान

सत्र –2020–21 दिनांक 04/08/2020

जिला सगंठक कोंडागांव श्रो शशिभूषण कन्नौजे के मार्गदर्शन में शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव में कोविड–19 जागरूकता अभियान चलाया गया और जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन कर ई–सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

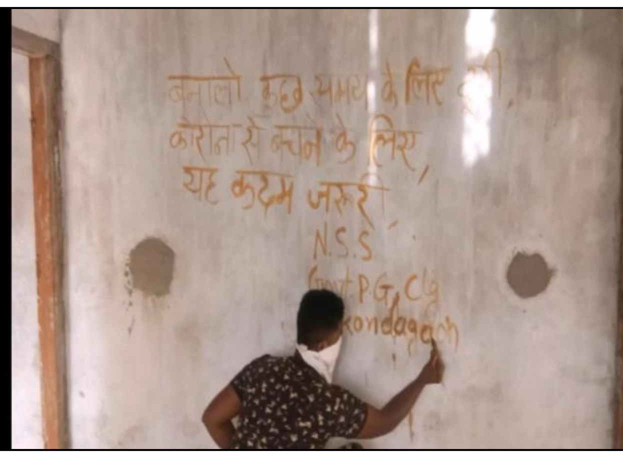

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया जागरूकता अभियान

माकड़ी। (नईदुनिया न्यूज)। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के स्वयं सेवक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम एवं बचाव के लिए अपनी सामाजिक जिम्मेवारी निभा रहा है।

कार्यक्रम अधिकारी चंद्रकांत जैन, प्राचार्य एमआर नाग स्वयंसेवकों के साथ माकड़ी बाजार स्थल में लोगों को कोविड-19 से अवगत कराते हुए इस महामारी को गंभीरता से लेने को कह रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए नियमित रूप से साबुन और पानी से लगभग 20 सेकंड तक हाथ धोना, खुले एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना, छींकते एवं खांसते समय नाक व मुंह को रुमाल से ढकें, जिस व्यक्ति को खांसी, सर्दी, जुकाम बुखार श्वास लेने में तकलीफ हो उससे दूरी बनाते हुए तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें हमेशा मास्क का प्रयोग करें जैसी जानकारी देकर जागरूकता अभियान बाजार स्थल में मंगलवार को चलाया गया और स्वयंसेवकों द्वारा मास्क वितरण किया गया।

माकडी बाजार मे मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम संचालित करते एनएसएस की स्वय सेविकाए। ● नईदुनिया

स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सम्मेलन
एवं